

प्रेषक,

रोहन लाल
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवान्वे,

जिलाधिकारी,
टिहरी गढ़वाल।

संख्या: 16/18(1)/2006

राजस्व विभाग

देहरादून दिनांक 17 जुलाई, 2006

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में जनपद टिहरी गढ़वाल की नवसृजित उपतहसील गजा के आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-557/9-38(राजसहा) दिनांक 28-03-2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नवसृजित उपतहसील गजा के आवासीय/अनावासीय भवनों के उपलब्ध कराये गये आगमन रु० 135.88 लाख का टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरांत औचित्यपूर्ण पाये गये आगमन रु० 73.44 लाख पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये वार्षिक वित्तीय वर्ष के लिये रु० 50.00 लाख (रु० पचास लाख मात्र) की धनराशि को स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1- आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/गानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाये।

3- कार्य पर लगाना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

(2)

- 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा ले। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाये।
- 7- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी मानी जायेगी।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
- 10- जीपीओडब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 11- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कालेजों/मेडिकल के हास्टलों का निर्माण एचआईसी के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जाये।

(3)

12- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2007 तक पूर्ण उपयोग करके कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा। उक्त विवरण एवं धनराशि के पूर्ण उपयोग के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।

13- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-6 लेखाशीर्षक-4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-आयोजनागत-051-निर्माण-0103-तहसीलों के अनावासीय भवनों का निर्माण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या- 413/XXVII(5)/2006 दिनांक 10 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(सोहन लाल)

अपर सचिव।

संख्या एवं तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहसादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
- 4- निजी सचिव, मुख्यमंत्री।
- 5- अपर सचिव, वित्त बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 8- वित्त अनुभाग-5
- 9- अपर परियोजना प्रबन्धक, उ०प्र०शासकीय निर्माण निगम, नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल।
- 10- वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा रो,

(सोहन लाल)

अपर सचिव।